खबर संक्षेप

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मण्डला। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैष्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। वर्ष 2015 के संपूर्ण विष्व में योग के प्रति उत्साह भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दषक पूरा हो रहा है। इस अवसर पर वृहद रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के साथ-साथ काउन्टडाउन एवं अन्य कार्यक्रम भी किये जाने हैं। सम्पूर्ण प्रदेष में जिला, विकासखण्ड एवं पंचायत स्तर पर 21 जून को सामूहिक योग कार्यक्रम का वृहद आयोजन किया जाना है। इन कार्यक्रमों में सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों (स्कूल षिक्षा/उच्च षिक्षा/ चिकित्सा षिक्षा/ तकनीकी षिक्षा/आयुष/नर्सिंग/पशु चिकित्सा/ कृषि शिक्षा) पॉलेटेक्निक, आईटीआई एवं समस्त शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के छात्रों के अलावा अन्य समस्त शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे। साथ ही योग संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस, पुलिस कर्मियों, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, शासकीय सेवकों, स्वयंसेवी संगठन, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक संगठन तथा आम नागरिकों की सामूहिक योग कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की जाएगा।

शिकायत निवारण हेतु अस्थाई उपभोक्ता सेवा केन्द्र पॉवर हाऊस मण्डला में स्थापित

मण्डला। अधीक्षण अभियंता (संचा-संधा) म.प्र. पूर्व क्षेत्र वि.वि.कं.लि. मंडला ने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु, अस्थाई उपभोक्ता सेवा केन्द्र पॉवर हाऊस मण्डला में स्थापित किया गया है। मण्डला (संचा/संधा) वृत्त के अंतर्गत उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु अस्थाई उपभोक्ता सेवा केन्द्र पॉवर हाऊस मण्डला में स्थापित किया गया है, जिस हेतु वृत्त मण्डला के अधीनस्थ पदस्थ श्री चंद्र प्रकाश सिंह, सहायक अभियंता (संचा/संधा) उपसंभाग मण्डला मोबाईल नम्बर 9425806237 को अस्थाई उपभोक्ता सेवा केन्द्र (दूरभाष क्रमांक 07642-251130) का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपभोक्ता विद्युत संबंधी शिकायत जैसे बिजली बंद होने की सूचना। बिल संबंधी समस्या। ट्रांसफार्मर/लाईन फाल्ट की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। किसी भी विद्युत सेवा से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिये दूरभाष क्रमांक 07642-251130 पर कॉल किया जा सकता है।

म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में फुटबॉल प्रतियोगिता

रायसेन ने सिवनी और जबलपुर ने मंडला की दी मात

*** आज होगा बालाघाट व बुरहानपुर और बैतूल व छिंदवाड़ा के बीच मुकाबला।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महात्मा गांधी स्टेडियम मंडला में म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में खेली जा रही दक्षिण क्षेत्र जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत गुरुवार को पहला मैच सिवनी और रायसेन के बीच खेला गया जिसमें रायसेन ने सिवनी को 4/0 से हराया। दूसरा मैच जबलपुर और मंडला के बीच खेला गया। इस मैच में जबलपुर ने मंडला को 1 के मुकाबले 4 गोल से मात दी। सिवनी और रायसेन के बीच खेले गए मैच में रायसेन की तरफ से कनिष्क व शौर्य ने एक गोल किया जबकि विशाल ने दो गोल किए।

दूसरा मैच मेजबान मंडला और जबलपुर के बीच खेला गया। खेल के पहले हाफ में जबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार मंडला के गोल पर एक के बाद कई हमले किए। खेल के तीसरे मिनट में ही शौर्य ने बेहतरीन गोलकर जबलपुर को एक शून्य की बढ़त दिला दी। इसके बाद भी जबलपुर में अपने हमले जारी रखें और जल्द खेल के 17वें व 30वें में मिनट में नगेंद्र ने गोल कर जबलपुर को 3/0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम खत्म होने के बिल्कुल पहले 45वें मिनट में जबलपुर के चिराग ने फिर गोल कर जबलपुर का स्कोर 4/0 कर दिया। पहले हाफ में जबलपुर का दबदबा कायम रहा। पहले हॉफ में मंडका की टीम बिल्कुल भी लय में नजर नहीं आई लेकिन खेल के सेकंड हाफ में मंडला ने पहले हाफ के मुकाबले काफी बेहतर खेल दिखाया। छोटे-छोटे वन टच पास के जरिए लगातार जबलपुर पर हमले किए। लगातार मूव बनाने के बावजूद उसे सफलता मैच के आखिरी मिनट में मिली जब एक फ्री केक को कार्तिक ने शानदार तरीके से गोल में तब्दील कर दिया। इस तरह से इस मुकाबले में जबलपुर ने एक के मुकाबले चार गोलों से मंडला को मात दी। हालांकि इस हार से मंडला के सेमीफाइनल पर पहुंचने पर कोई अड़चन नहीं आई। पहले ही ग्रुप बी कि ये दोनों टीम जबलपुर और मंडला पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी। शुक्रवार लीग ग्राउंड के अंतिम मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मुकाबला बालाघाट और बुरहानपुर के मध्य दोपहर 12 बजे होगा। जबकि दूसरा मुकाबला बैतूल और छिंदवाड़ा के मध्य दोपहर 3 पर खेला जाएगा।

पहले मैच बतौर मुख्य अतिथि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 की प्राचार्य संध्या गुप्ता उपस्थित थी। इनके अलावा शिक्षक संजू वर्मा, नंदकिशोर कुमार यादव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कोच आकाश खत्री व सोना दुबे मौजूद रही। दूसरे मैच के दौरान पार्षद विनय वरदानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुनील दुबे, हॉकी मंडला के सचिव सैयद कमर अली, जिला फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, सचिव अनिल सोनी, राजेश पाठक, राजेंद्र तिवारी, अनूप वासल, चंद्रेश खरे, सत्यनारायण अग्रवाल, मतीन खान, माझी संघ के जिला अध्यक्ष गुड्डू सिंधिया, जिला टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश पापलर जैन, दिनेश पटेल, सुरेंद्र मिश्रा, राजेंद्र कुमार सिंगौर 'पंचू', सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में पंकज उसराठे, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, बासु सिंधिया, प्रथम चौकसे, कुशल भवेदी सहित विभिन्न खेल प्रेमी उल्लेखीनय भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

शासकीय महिला कर्मचारी के घर में घुसकर युवक ने की मारपीट

*** आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक शासकीय महिला कर्मचारी के साथ घर में घुसकर मारपीट की घटना सामने आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार यह घटना बुधवार देर रात लाल बहादुर शास्त्री वार्ड की निवासी दीपा चौधरी 40 वर्ष के घर में हुई है। जो नगर पालिका में शासकीय कर्मचारी हैं। पीड़िता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि देर रात उनका पड़ोसी योगेश कोरी उनके घर के पास से उन्हें गंदी गंदी गालियां देने लगा। गालियां इतनी अभद्र थीं कि पड़ोसियों ने सुनकर इकट्ठा होना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार गालियां देते हुए योगेश कोरी उनके घर के अंदर घुस गया और उनका हाथ पकडक़र उनके गाल पर चांटे मारने लगा। उसने लात-घूसों से भी मारपीट की। घटना के समय दीपा चौधरी के बच्चे अनुष्का चौधरी और प्रिंस चौधरी भी घर में मौजूद थे। जो डर के मारे चिल्लाने लगे। मारपीट के बाद योगेश कोरी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चला गया। वहीं एसडीओपी पीयूष मिश्रा ने पीड़िता के बयान के आधार पर बताया कि दीपा चौधरी ने कोतवाली थाना पहुंचकर मौखिक रूप से रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने देर रात ही मामला दर्ज कर लिया और तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी योगेश कोरी को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिला बाल कल्याण समिति की ओर से प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विस्तार से जानकारी दी गई। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने बैठक में बाल गृह, बालिका संरक्षण गृह, एकल अभिभावक वाले बच्चे, मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना से लाभान्वित होने वाले बच्चे, कोविड में मृत माता-पिता के अनाथ बच्चे तथा पॉक्सो पीड़ितों के संबंध में अब तक की गई कार्यवाहियों से अवगत कराया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बाल कल्याण समिति द्वारा की जा रही कार्यवाहियों के लिए समिति को प्रोत्साहित किया। साथ ही लम्बित प्रकरणों को यथाशीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, सहायक संचालक रोहित बड़कुल, एसडीओपी सिवनी नम्रता दिवाकर, सीएमओ नगरपालिका गजानंद नाफड़े सहित जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

उप चुनाव को लेकर बिछिया नगर पंचायत के भाजपा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

19 जून 2025 को भाजपा कार्यालय मंडला में बिछिया नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में होने जा रहे उपचुनाव को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला महामंत्री नीरज मरकाम की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपा गया साथ पार्षद के उप चुनाव को लेकर रणनीति भी तैयार की गई। बैठक के दौरान जिला महामंत्री उमेश ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष अशोक नानकानी, मंडल अध्यक्ष बिछिया नीरज भट्ट, बिछिया नगर पंचायत अध्यक्ष रजनी मरावी, बिछिया वार्ड क्रमांक 10 पार्षद शशिकांत श्रीवास्तव, बिछिया वार्ड क्रमांक 03 पार्षद अजय गोस्वामी, भाजपा कार्यकर्ता डॉ विजय आनंद मरावी, सांसद प्रतिनिधि चंद्रकांत झरिया, बिछिया मंडल महामंत्री नरेश सार्वे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समीक्षा | **निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के कलेक्टर ने दिये निर्देश।**

कलेक्टर ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

*** निर्माण कार्यों वाली निर्माण-फर्म/ ठेकेदारों को नोटिस जारी करने दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री आदि तकनीकि अमला क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कार्यों की सतत मॉनीटरिंग करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करें। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांष कूमट, एसी ट्राईबल श्रीमति वंदना गुप्ता, जिला षिक्षा अधिकारी मुन्नी बरकडे सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जनजाति कार्य विभाग, डीईओ, डीपीसी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी अपने विभाग के निर्माण कार्यों की लगातार मॉनीटरिंग करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने नैनपुर में शासकीय हाईस्कूल हीरापुर भवन निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित ठेकेदार को ब्लैकसिस्टेड करने के निर्देष दिए। उन्होंने कहा कि पीजी शासकीय हाईस्कूल सिंगारपुर भवन की गुणवत्ता की पुनः जांच कराएं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि माहवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्यों में प्रगति लाएं। उन्होंने सीएम राईज स्कूल, अतिरिक्त कक्ष, हाईस्कूल, छात्रावास, विभागीय परिसंपत्ति मद आदि हो रहे निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शौचालय निर्माण की समीक्षा करते हुए 30 जून तक निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नवीन स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्रारंभ कराएं। उन्होंने नवीन स्वीकृत निर्माण कार्यों के भूमि आवंटन के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि भवन निर्माण के साथ-साथ रेन वॉटर हारवेस्टिंग एवं रिचार्ज पिट आवश्यक रूप से बनाएं। उन्होंने शासन के अनुबंध शर्तों के अनुसार निर्धारित समय-सीमा से विलम्बित निर्माण कार्यो वाली निर्माण-फर्म/ ठेकेदारों को नोटिस जारी करने निर्देश दिए। बैठक में नामांकन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, साईकिल, छात्रवृत्ति, लेपटॉप वितरण तथा नवीन कार्यों की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए।

160 लीटर कच्ची शराब, 190 डिब्बा लाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा जिला मण्डला के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के नेतत्व में मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण,परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में वृत मण्डला में ग्राम पंचायत देवदरा में सहस्त्रधारा के निकट नर्मदा नदी के किनारे मदिरा निर्माण करने वाले अड्डों पर दबिश की कार्यवाही की गई। जिसमें मदिरा का निर्माण करने वाले विभिन्न अड्डों से कच्ची मदिरा 160 लीटर एवं विभिन्न अड्डों से कुल 190 डिब्बों में भरा लाहन पाया। लहान को नदी के अंदर प्लास्टिक के डब्बों में छुपाकर रखा गया था। जिसे पानी से निकालकर विधिवत नष्ट किया गया जिसकी मात्रा लगभग 1900 किलोग्राम है। जप्त मदिरा एवं लहान की अनुमानित कीमत 2,14,000 रुपये है। आबकारी बल को देख आरोपी भाग खड़े हुए। अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मदिरा के अवैध निर्माण में लिप्त आरोपियों की तलाश की जा रही है। उक्त कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरिक्षक गिरिजा धुर्वे, सर्वेश नागवंशी, शैली सैयाम, दुर्जन कुलेश आरक्षक विजय कमलेश, रघुनाथ उइके, महेश पटेल, शंकुतला सैयाम, प्रिया नायडू, कन्हैया उइके, रविन्द्र टेकाम उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

छात्रा को दी गई एसिड डलवाने की धमकी

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस के एक निजी स्कूल में अध्ययन करने वाली कक्षा नवमी की छात्रा द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपनी सहेली के साथ स्कूटी से कही घूमने जा रही थी तो नगर के चिकित्सालय मार्ग कर संसार सेल बाजार के पास स्कूटी बंद हो जाने के कारण दोनों छात्राये उसे चालू करने की कोशिश कर रही थी। उसी दौरान सूजल प्रतवानी नामक युवक आया और बोला की मैं स्कूटी चालू कर देता हूं मगर जब इन छात्राओं द्वारा कहा की नहीं हम खुद ही कर लेंगे। इस बात को लेकर आरोपी द्वारा छात्रा को गंदी गंदी गालियां देने लगा जब प्रार्थीया द्वारा गाली देने से रोकते हुये अपनी सहेली छात्रा के साथ आगे की ओर जाने लगी तो आरोपी द्वारा रास्ता रोकते हुये धमकी देते हुये कहा कि ते ज्यादा बनती है किसी दिन तेरे ऊपर एसिड फिंकवा दूंगा। इस तरह एक नाबालिग छात्रा को युवक द्वारा एसिड फिकवा देने की धमकी के चलते पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जमीन पर पटक कर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस कांच मंदिर के पास रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिवस चीचली तिराहा के पास से निकल कर जा रहा था। उसी दौरान निर्माणाधीन ब्रिज के पास मछली की दुकान लगाने वाले भूरा बरूआ द्वारा पुरानी बुराई के चलते गंदी गंदी गालिया देते हुये जमीन पर पटककर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पति पत्नी के साथ की मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर मंगल सिटी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं मजदूरी काम करती हूं, मेरे पति ग्राम गुर्जर झिरिया के रहने वाले है राजकुमार उर्फ चिंटू से पुराना विवाद चल रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जब मैं अपने घर पर थी उसी समय राजकुमार घर के सामने आया और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब गाली देने से मना किया तो मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। उस समय पीड़िता का पति भी आ गया तो उसने बीच बचाव करने का प्रयास किया गया तो आरोपी द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

शराब पीने से मना किये जाने पर पति ने पत्नी के साथ की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पलेरा हाल पानी टंकी के पास गाडरवारा निवासी एक महिला द्वारा अपने पति पर मारपीट कर आरोप लगाते हुये पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसका पति राकेश नौरिया शराब पीता है। इस तरह बीते हुये दिवस जब शराब पीकर घर आया और बगैर किसी कारण के गंदी गंदी गालिया देने लगा। पीड़िता द्वारा अपने पति को इस तरह शराब पीने की बात से रोकने का प्रयास किया तो आरोपी पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई और कहा कि यदि अब कभी रोकने का प्रयास किया तो जान से मारने की धमकी दी गई।

चार ने मिलकर राड से मारपीट कर किया घायल

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम हर्रई निवासी रचित पिता गजेन्द्र शर्मा उम्र 43 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर के पास खड़ा हुआ था उसी समय घर के सामने सुमित मेहरा एवं शाहित ठाकुर दोनो ने अचानक गंदी गंदी गालिया देने लगे जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो सुमित मेहरा द्वारा लोहे की राड से मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई।

इनको संभालने को लेकर सरकार की योजनायें दिखाई दे रही मात्र औपचारिकता पूर्ण ..?

शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते गांवों में स्थिति पारंपरिक जल स्त्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामोनिशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इसे मॉ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गॉवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गॉवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है..? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियो की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है, जिनके जरिए वर्षो पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी का लगभग ढाई एकड़ भूमि का मालिक माने जाने वाले विशाल तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगा है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्त्रोत अपने असत्तिव को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएॅ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है। वही दूसरी देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव सरोबर से लेकर तालाब व डेमों का निर्माण कराते हुये रूपया खर्च किये जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा बनाये जाने वाले तालाबों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी कि सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये गांव गांव बनाये जा रहे इन तालाबों में एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बडी बात होने से नही चूक पायेगी..? इस तरह नये तालाबों के निर्माण को लेकर सरकार द्वारा जहां करोडो रूपया खर्च किये जा रहे है और दूसरी ओर पुराने जल स्त्रोतों की अनदेखी निश्चित तौर से सरकार के प्रयास मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा ओर कुछ साबित होने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर इन दिनों सरकार द्वारा 5 जून से 16 जून तक पुराने जल स्त्रोतों को लेकर विशेष अभियान जरूर छेड़ा गया है। मगर वह औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने के आलवा कुछ साबित नही हो रहा है? सही मायने में देखा जावे तो इन पुराने जल स्त्रोतो की सफाई को लेकर अधिकारियों द्वारा मात्र औपचारिकता निभाते हुये योजना सिर्फ फोटो तक ही सिमित नजर आने से नही चूक पा रही है? यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्त्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्त्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है, इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है, यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्त्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है? यदि शासन के रिकार्ड का अवलोकन किया जावे तो क्षेत्र का शायद ही ऐसा कोई गांव शेष होगा जहां पर राजस्व रिकार्ड में तालाब या कुंआ दर्ज दिखाई न दे रहा हो..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार राजस्व भूमि पर बने हुये यह कुंआ व तालाब मौके पर नजर ही नही आ रहे है जहां तालाबों में प्रभावशालियों की फसले लह लहा रही है तो कुंओं के ऊपर निर्माण कार्य हो चुके है जिन पर बहुमंजिला आवास तने हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है।

एनटीपीसी द्वारा आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यक्रम का भव्य समारोह के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ चीचली क्षेत्र में स्थापित एनटीपीसी गाडरवारा में चल रहे एक माह के आवासीय कार्यशाला बालिका सशक्तिकरण अभियान का बीते हुये दिवस भव्य समारोह के साथ समापन हुआ। बताया जाता है कि यह एक माह तक चलने वाली प्रमुख सीएसआर पहल थी, जिसका उद्देश्य आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों को सशक्त बनाना और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित करना रहा। जानकारी के अनुसार इस मिशन के अंतर्गत चयनित 40 बालिकाएं एनटीपीसी टाउनशिप में आवासित रहीं और उन्हें नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, आत्मरक्षा, कंप्यूटर साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, रचनात्मक कला और खेलकूद से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था बालिकाओं को आत्मविश्वासी, जागरूक और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करना। इस समापन समारोह में सभी बालिकायों के माता पिता को भी आमंत्रित किया गया। समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्याम कुमार मुख्य महा प्रबंधक (परियोजना प्रमुख) मौजूद रहे। वही इस कार्यक्रम ने जिले में बालिका सशक्तिकरण को गति दी और पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी के प्रयासों की सराहना करते हुये उन्होने बताया कि एनटीपीसी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाली सरकारी विद्यालय की लड़कियों के व्यक्तित्व का विकास के लिए बालिका सशक्तिकरण मिशन की शुरुआत की है। इस अवसर पर श्याम कुमार मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना प्रमुख) एनटीपीसी गाडरवारा ने कहा कि यह परिवर्तन केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। यह उनके व्यक्तित्व, सोचने के तरीके, व्यवहार और नेतृत्व क्षमता में स्पष्ट रूप से नजर आता है। एक महीने की यह यात्रा न सिर्फ उन्हें आत्मनिर्भर बना गई है, बल्कि उन्हें यह भी सिखा गई कि सपने देखना और उन्हें साकार करने का साहस रखना कितना आवश्यक है। कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, पदक, स्मृति चिन्ह और समूह फोटो प्रदान किये गये। वही कार्यक्रम में सभी महाप्रबंधक, अवनी महिला मंडल की उपाध्यक्षा एवं वालंटियर्स, समिति के सदस्यों एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में मनाया योग दिवस

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर के प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ओम शांति सेंटर द्वारा बीते हुये दिवस योग दिवस मनाया गया। इसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर उपस्थित बाल ब्रह्मचारी ब्रह्माकुमारी बहने एवं योग गुरु श्वेता सिंह के आलवा भ्राता उत्तम पटेल और समस्त ब्राह्मण वत्स भी उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी साधना बहन ने योग और योगा में अंतर को समझाते हुए कहा कि जितना हमारे जीवन के लिए योगा प्राणायाम जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा योग जरूरी है। योगा से शरीर तंदुरुस्त होता है तो योग से मन तंदुरुस्त होता है। योगा का तात्पर्य शारीरिक क्रियो से होता है तो योग का तात्पर्य मन से होता है। योग हमारे मन को सुमन और संस्कारों को सु संस्कारित बनाता है। वही योग से एकाग्रता की पावर बढ़ती है। योग से संकल्प में सिद्धि आती है योग चलते फिरते हर कर्म करते हुए किया जा सकता है। योग अर्थात दो चीजों का जोड़ आत्मा और परमात्मा जब आत्मा और परमात्मा का मिलन हो जाता है तो हमारी आत्मा परमात्मा शक्तियों से भरपूर हो शक्तिशाली बन जाती है जिससे हम हर परिस्थितियों का सामना सहज ही कर पाते हैं। यह वही राजयोग है जिसका वर्णन प्राचीन काल से चला आ रहा है। क्योंकि योगा से मानव अनेक प्रकार के बीमारियों से निजात पाने में सफल हो सकते है। मगर उसको नित्य निर्धारित समय पर करने की जरूरत है। हमारे संत मुनि योगा के माध्यम से अनेक प्रकार की बीमारियों से निजात पाने में सफल होते थें। प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी संस्था के मीडिया प्रभारी नीलेश साहू द्वारा अपनी जानकारी में बताया कि इस कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत नृत्य एवं पुष्प से किया गया। वही अतिथियों के द्वारा योगा भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में ईश्वरीय स्वागत और ईश्वरीय प्रसाद भेंट किया गया।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते समान की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समाान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपाानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आई एस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है? मगर ग्राहकों की जागारूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लालच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है..? एक्सपायरी डेट का उल्लेख नही होता है यदि इन समानों पर गौर किया जावे तो कई वस्तुओं पर तो इसके निर्माण की तिथि तक नहीं लिखी रहती और कई जगह एक्सपायरी डेट का समान बिकते हुए भी देखा जाता है? इन उत्पादों को शहर की गलियों सहित गांव गांव में बेचा जा रहा है और शहर सहित आसपास के कस्बों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में लाखों का कारोबार होता है, वही अच्छी कंपानियों का कमीशन कम है और दुकानदारों की मांग के अनुरूप इसकी पूर्ति नहीं होती है। इस कारण बाजार में इन नामों से मिलते जुलते प्रोडक्ट की बाढ़ देखने मिल रही है? वही दूसरी ओर यदि प्रशासन की सक्रियता पर गौर किया जावे तो इनके द्वारा कभी कभार ही इस प्रकार की दुकानों का कभी कभार ही निरीक्षण किया जाता है वह भी मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के चलते इस प्रकार से गुणवत्ताहीन सामन की बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे है।

बारात के दौरान गमला टेडा होने पर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम आंडेगांव खुद निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि उसके दो लडके है जिसमें बडा राम सेवक व दूसरा आकाश चौधरी बीते हुये दिवस दोनो लगे चीचली एक बारात में डेकोरेशन के गमला लेकर गये थें। जब वह वापिस आये तो उनके शरीर पर चोटों के निशान दिखाई दे रहे थें। जब प्रार्थिया ने चोट के संबंध में अपने बच्चों से पूछा तो उन्होंने बताया कि बारात के दौरान गमला टेडा हो जाने की बात को लेकर राकेश मेहरा द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। किशोरों के साथ मारपीट किये जाने पर पुलिस ने माँ की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कौड़िया क्षेत्र के आस-पास अनेक गांवों में अपराधों की घनघोर बारिश, गांव गांव चल रहे शराब के अवैध कारोबार से बिगड़ रहा माहौल...?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। वैसे देखा जावे तो इस वर्ष लगातार मौसम के बनने बिगडने के चलते जहां क्षेत्र के किसान व आमजन परेशान होते हुए देखे जा रहे है तो दूसरी ओर लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियाँ अपनी गिरप्त में लेने से नही चूक रही है। मगर वही दूसरी ओर अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों की सच्चाई को देखते हुए जान पड़ता है कि उन्हें न तो बारिश होने से कोई अंतर पड़ता है और नही ठंड के मौमस में ठंडक व गर्मी में तेज तपन से जिसके चलते इस समय क्षेत्र के गांवों में घटित होने वाली अपराधिक घटनाओं के चलते लोगों में लगातार दहशत की स्थिति देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों में पुलिस का खौफ गायब होने से कई तरह के अपराधों के बादल क्षेत्र में इस समय जिस प्रकार से गरज चमक के साथ जमकर इतने अधिक बरस रहे हैं कि समूचा संपूर्ण क्षेत्र अपराधों के कीचड़ में डूबता चला जा रहा है..? बताया जाता है कि परदे के पीछे से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां सट्टे का अवैध कारोबार शबाब पर देखा जा रहा है तो वही दूसरी ओर क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार चल रहा है उसकी चपेट में आसानी से युवा वर्ग आने के कारण वह अपराध की ओर कदम बढ़ाने से नही चूक रहा है..? क्योंकि क्षेत्र के गांवों में आसानी से मिल रही शराब की सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो अब शासन द्वारा गांव गांव शराब के ठेके तो खोले ही नही है और गांवों में जिस प्रकार से शराब का अवैध कारोबार चल रहा है वह पूर्णरूप से अवैध कारोबार ही कहा जा सकता है और इस अवैध कारोबार को संचालन करने वालों को जब तक किसी शराब ठेकेदार का संरक्षण व पुलिस प्रशासन की सहमति नही होती है तब तक गांवों में इस प्रकार का कारोबार चल पाना संभव हो ही नही सकता है...? इस प्रकार से गांव गांव बिक रही अवैध शराब के चलते युवा पीढ़ी इसकी गिरप्त में देखी जा रही है। वही दूसरी ओर स्थिति तो अब इस प्रकार से बनने लगी है कि दबे हुये पांवो से स्मैक का कारोबार भी इस क्षेत्र में अपने पैर जमाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है? क्योंकि पूर्व के समय में पुलिस द्वारा बरती गई सख्ती का परिणाम है कि इस सफेद पावडर का कारोबार इस क्षेत्र में पूर्णरूप से समाप्ति की ओर आ चुका था। मगर पुलिस प्रशासन की उदासीनता कही जावे या फिर प्रभावशालियों की संरक्षण जिसके चलते अब इस अवैध कारोबार ने अपने पैर जमाना शुरू कर दिया गया है जिसका परिणाम मासूम किशोरो से लेकर युवाओं की जिन्दगी पर बिपरीत पड़ते हुये दिखाई देने लगा है? इस तरह क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कारोबार की सच्चाई गाडरवारा व पलोहा पुलिस थाने का रिकार्ड ही अपने आप स्पष्ट करने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले के समय में जो स्मैक व गाजे के कारोबारियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी उसमें अधिकांश कारोबारी इसी क्षेत्र के पाये गये थें और कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दिखाई देते हुये जान पड़ रही है। क्योंकि इस क्षेत्र के गांवो की ओर रूख किया जाता है तो हर गांव में खुलेआम सड़को व नालियों में जिस प्रकार से शराब की खाली बोतले व शीशी दिखाई पड़ रही है वह इस बात का संकेत देने से नही चूक पा रही है कि शराब के अवैध कारोबार कोरोना काल के महौल का फायदा उठाने में अपनी कोई कसर नही छोड़ रहे है। इसी का परिणाम यह देखने मिल रहा है कि गांव गांव खुले मैदानों व नालियों में शराब की खाली बोलते व शीशियाँ दिखाई दे रही है?

गांव गांव घूमते हुये विक्रय हो रही गुणवत्ताहीन कुल्पी, बच्चों की सेहत पर भारी पड़ रहा ठंडा मीठा जहर

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय पड़ रही तेज गर्मी के चलते जहां लोगों का अपने घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गर्मी के चलते लोगों को शीतल पेय पदार्थ आकर्षित करने से भी चूक रहे है, जिसके चलते शहर लेकर गांव गांव की गालियों, सार्वजानिक स्थानों पर बच्चो के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालने वाले ठंडे मीठे जहर की बिक्री शुरू हो गयी है। ज्ञातव्य है कि यह हानि कारक काजू शेक, शर्बत बेचने के लिए बाहर के लोगों शहरों में अपने अड्डे जमाये हुये है तो दूसरी ओर गांव गांव फेरी लगाते हुये खुलेआम गुणवत्ता हीन कुल्पी विक्रय होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर कई जगह उनके शर्बत की शीशियों से सजे ठेले भी नजर आने से नही चूक रहे है। चल रहे आषाढ़ माह में पढ़ रही बैशाख जैसी तेज गर्मी के चलते जहां लोग हलाकान हो रहे है तो दूसरी ओर ठंडा जहर विक्रय करने वाले मासूम बच्चों की जिन्दगी के दुश्मन बनने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। दूसरी ओर बताया गया है कि क्षेत्र के गांवों में धड़ल्ले से वर्फ के गोले भी बेचे जा रहे है, जिन्हे अंजाने में बच्चे खरीद रहे है। खबर है कि चन्द पैसों में बच्चों को मिलने वाले ये वर्फ के गोले सेकरीन से बने शर्बत से तर किए जाते है और अत्याधिक मीठे और ठंडे होने से बच्चे इनका सेवन तो कर लेते है पर बाद में उनके गले में तकलीफ होने लगती है और उन्हें जुकाम की बीमारी शिकंजे में लेने लगती है? वही दूसरी ओर लगातार गर्मी भी बढ़ते चली जा रही है, इस हालत में दूध, मेवे से बने शीतल पेय पदार्थ बच्चो को नुकसान नही पहुॅचातें। लेकिन जहॉ तक रंगीन सस्ती कुल्फियों की बात है वे बच्चो के स्वास्थ्य के लिए इसलिए खतरनाक होती है। क्योंकि उन्हे बनाने वाले शर्बत में सेकरीन का प्रयोग किया जाता है, जिसके सेवन को चिकित्सक भी हानिकारक मानते है उनका कहना है कि बच्चो को इस बात की समझ नही होती कि कौन सी चीज उनकी सेहत के लिए नुकसानदेह है। इसी कारण वे भूलवश सस्ती कुल्फियॉ खरीदकर आफत मोल ले लेते है और स्वास्थ्य खराब होने पर अभिभावकों की भी मुसीबतें बढ़ा देते है, इतना ही नही इस प्रकार से स्थानीय स्तर पर बनने वाले इन ठंडे पेय पदार्थों का निर्माण किये जाने वाली जगह पर साफ सफाई का आभाव होने के कारण वह जानलेवा साबित भी जो जाते है? इन्ही बातों की चिंता को लेकर अभिभावकों व आम जन ने मॉग की है कि नपा.का स्वास्थ्य विभाग इस प्रकार से गुणवत्ताहीन ठंडा मीठा जहर बिकनें पर प्रतिबंध लगायें, जिससे हॅसते खेलते बच्चो के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़ सकें।

स्टैट हाईवे गाडरवारा करेली मार्ग पर निकल रहे गड्ढों के चलते वाहन चलना हुआ मुश्किल, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/कौडिया। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि सरकार द्वारा सड़कों के लिए स्वीकृत की जाने वाली राशि का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सीयों द्वारा इस प्रकार से निर्माण किया जाता है कि वह जहां चंद दिनों में अपनी गुणवत्ता की कहानी स्वयं बताने लगी है। वही दूसरी ओर आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय स्टैट हाइवे माने जाने वाले गाडरवारा करेली व सांईखेड़ा मार्ग में भी देखी जा रही है। बताया जाता है कि जब इस सड़क का निर्माण हुआ था तो गांव के अंदर जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जो गुणवत्ता को अपराया गया था उसी समय क्षेत्र के अखबरों द्वारा गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर करते हुए क्षेत्र के नेताओं से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है। मगर उस समय अधिकाकिरियों द्वारा बरती गई उदसीनता का परिणाम है कि इस सड़क पर निकल रहे गड्डो के चलते जहां वाहन चलाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों की जान के लिए भी खतरा पैदा हो रहा है। करोड़ो रूपया की लागत से लागत ग्राम कौड़यि के अंदर बनाई गई सीमेंट सड़क में गुणवत्ता की अनदेखी किये जाने के कारण यह सड़क जगह जगह से टूटने लगी है। सड़क के बीचों बीच जानलेबा गड्ड़े निर्मित हो गए है, जिसके चलते यह गड्डे राहगीरो के लिए जानलेबा सिद्ध हो रहे है, इस समय चल रहे बारिश के मौसम में सड़क पर निकले हुए गड्डो में बरसात का पानी भरने के कारण दिखाई नही देते है और जब अचानक वाहन उनमें चला जाता है तो आये दिन छोटे वाहन चालकों को गिरते हुए देखा जाता है, इस सच्चाई को लेकर लगातार आबाज उठाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

वृद्ध आश्रम में रह रही वृद्धा की मौत

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के समीप सीतापुर में स्थित वृद्ध आश्रम में रह रही 80 वर्षीय वृद्धा की मौत पर वृद्ध आश्रम के कर्मचारियों के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वृद्धा के शव को दफनाकर अंतिम संस्कार किया। बताया गया कि जिला मुख्यालय से लगे सीतापुर गांव में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम में 80 वर्षीय वृद्धा ससन कुमारी जिसे चार माह पूर्व राजनगर क्षेत्र से नागरिकों द्वारा लाकर रखा गया था जिसकि अचानक तबियत खबर खराब होने पर कर्मचारियों द्वारा जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर परीक्षण कराए जाने पर डियूटी डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किया गया जिसकी सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए वृद्धा के शव का अंतिम संस्कार हेतु सौंपे जाने पर जाने पर वृद्ध आश्रम के पदाधिकारी जितेंद्र राठौर, भारत प्रसाद बैगा, नीलम सोनी के साथ ग्राम पंचायत बरबसपुर उप सरपंच सुजीत रजक, जिला मुख्यालय अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल द्वारा नगरपालिका अनूपपुर के सौजन्य से प्राप्त जेसीबी मशीन चालक गोपाल राठौर की मदद से सीतापुर स्थित सोन नदी के किनारे वृद्धा के शव को हिंदू रीति रिवाज अनुसार अंतिम संस्कार किया तथा ईश्वर से मृत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

अमरकंटक कोदो प्रसंस्करण इकाई को नवाचार बुलेटिन के प्रथम अंक में मिला स्थान

अनूपपुर। जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा स्थानीय किसानों के आजीविका संवर्धन के लिए कोदो उत्पादन को बढ़ावा देने तथा उसकी प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के लिए उल्लेखनीय व महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। जिला प्रशासन के इस महत्वपूर्ण कार्य को मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग ने अपने नवाचार बुलेटिन के प्रथम अंक में स्थान प्रदान किया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के संदेश के साथ आजीविका अमरकंटक कोदो प्रोसेसिंग इकाई की विस्तृत जानकारी, पृष्ठभूमि, उद्देश्य, विवरण, प्रभाव, चुनौतियां आदि की जानकारी दी गई है। राज्य नीति आयोग के इस प्रथम अंक में अनूपपुर जिले को स्थान प्राप्त होने से कोदो का व्यापक प्रचार-प्रसार व आजीविका संवर्धन मे मदद मिलेगी। निश्चित ही अनूपपुर जिला प्रशासन द्वारा कोदो प्रसंस्करण इकाई की स्थापना कर आजीविका वृद्धि की दिशा मे सुशासन, सेवा वितरण और सहभागी विकास की दिशा में यह कार्य रचनात्मक प्रयासों का परिचायक है।

शहर में पहली बार निकलेगी भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा

अनूपपुर। शहर में इस्कॉन केंद्र की स्थापना कुछ समय पूर्व की गई। इस्कॉन केंद्र में प्रति सप्ताह रविवार को सायं 05 बजे से 07 बजे तक सत्संग का आयोजन होता है एवं अन्य धार्मिक आयोजनों का सिलसिला लगातार जारी है। इस्कॉन केंद्र ने सभी के सहयोग से प्रथम बार अनूपपुर में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकालने का बीड़ा उठाया है और उसके बारे में कई बैठक हो चुकी एवं तैयारियां जोर-शोर से जारी है। 19 जून को इस्कॉन केंद्र अनूपपुर में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें इस्कॉन केंद्र की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया एवं बताया गया कि आने वाले कुछ समय पश्चात अनूपपुर में भी इस्कॉन मंदिर की स्थापना की जाएगी। इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। इस्कॉन केंद्र के प्रमुख अनूपपुर केंद्र के प्रभारी चैतन्य मनोहर दास एवं प्रशांत पांडे ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनों श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन संबंधित बैठक इस्कॉन केंद्र में आयोजित की गई। जिसमें रथ यात्रा के सफल आयोजन हेतु विचार विमर्श किया गया। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 5 जुलाई 2025 को निकाली जाएगी। बैठक में रथ यात्रा के मार्ग का निर्धारण किया गया। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा शिव मारुति मंदिर, सामतपुर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, आदर्श मार्ग, स्टेशन चौक, राम जानकी मंदिर, गुरुद्वारा रोड, पीएचई ऑफिस,अं डर ब्रिज, स्मार्ट सिटी से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान में समाप्त होगी।

आठ महीने पहले स्वीकृत हुई सड़क निर्माण योजना ठप, अब तक नहीं मिली वन विभाग से अनुमति

बैगा आदिवासी ग्राम कुटेली दादर के ग्रामीणों की उम्मीदें अधर में, पीएम जनमन योजना की जमीनी हकीकत उजागर

हरिभूमि न्यूज,डिण्डौरी।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आदिवासी बहुल गांवों को सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की सरकार की मंशा भले ही सराहनीय हो, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर नजर आ रही है। डिण्डौरी जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत आने वाले कुटेली दादर गांव में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य आठ महीने बाद भी शुरू नहीं हो सका है। वजह – वन विभाग से अब तक नहीं मिली अनुमति।

यह गांव विशेष संरक्षित बैगा आदिवासी समुदाय का निवास स्थान है, जहां आजादी के सात दशक बाद पहली बार पक्की सड़क की सौगात मिलने जा रही थी। अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत लगभग 3.9 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण को 2 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से स्वीकृति दी गई थी। लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा आवश्यक अनुमति लेने में की गई देरी ने ग्रामीणों की वर्षों पुरानी उम्मीदों पर फिलहाल पानी फेर दिया है।

वर्षा पूर्व फिर सताने लगी चिंता

गांव तक पक्की सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को हर साल बारिश के मौसम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आपात स्थिति में एम्बुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पाती, जिसके चलते मरीजों को खाट पर लादकर मुख्य मार्ग तक लाना पड़ता है। इस साल भी ग्रामीणों को फिर उसी डर का सामना करना पड़ रहा है। गांव के सरपंच सहित ग्रामीणों का कहना है कि सड़क स्वीकृत होने के बाद वे आश्वस्त थे कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा, लेकिन अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है।

वन विभाग से अनुमति में देरी

इस मामले में जब प्रधानमंत्री सड़क योजना के महाप्रबंधक जेपी मेहरा से बातचीत की गई, तो उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण की फाइल वन विभाग में लंबित है। सड़क की ज़मीन वन क्षेत्र में आती है, जिसके लिए अनुमति आवश्यक है। उधर, जिले के वन मंडल अधिकारी का कहना है कि यदि एक हेक्टेयर से अधिक वन भूमि प्रभावित होती है, तो इसके लिए *परिवेश पोर्टल* के माध्यम से *वन अधिकार अधिनियम* के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य होता है। हैरानी की बात यह है कि यह आवेदन निर्माण एजेंसी द्वारा योजना स्वीकृति के पूरे आठ महीने बाद, केवल जून 2025 में किया गया।

ग्रामीणों की आवाज कौन सुनेगा?

सरकारी अधिकारी भले ही जल्द कार्य प्रारंभ करने की बात कह रहे हों, लेकिन ज़मीनी स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। ग्रामीणों के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। सरकार की योजनाएं कागज़ों पर भले ही चमकदार दिखें, लेकिन जब तक ज़मीनी अमल में ईमानदारी और तत्परता नहीं दिखाई जाएगी, तब तक आदिवासियों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने का सपना अधूरा ही रहेगा।

प्रशासनिक लापरवाही या उपेक्षा?

सवाल यह उठता है कि जब सड़क अक्टूबर में स्वीकृत हो गई थी, तो वन विभाग से अनुमति के लिए आवेदन करने में आठ महीने क्यों लगे? क्या यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं है? आदिवासी क्षेत्रों के विकास की बात करने वाले अफसर क्या वास्तव में अपनी ज़िम्मेदारी को गंभीरता से ले रहे हैं? अब देखना यह होगा कि क्या जिम्मेदार अधिकारी व वन विभाग मिलकर जल्द निर्णय लेते हैं या फिर कुटेली दादर के बैगा आदिवासी एक बार फिर बरसात में कीचड़ और खाट के सहारे अपने जीवन को ढोने को मजबूर होंगे।

पानी को लेकर सरई और टिकरिया ग्रामीणों में टकराव, सरई ने जताई आपत्ति, कहा—टिकरिया में कराया जाए अलग बोर

डिंडौरी।

ग्राम पंचायत सरई और उसके अंतर्गत जल आपूर्ति को लेकर लंबे समय से विवाद का कारण बना टिकरिया गांव एक बार फिर सुर्खियों में है। सरई ग्राम के ग्रामीणों ने टिकरिया में पानी सप्लाई को लेकर कलेक्टर कार्यालय में आपत्ति दर्ज की है और मांग की है कि टिकरिया गांव के लिए अलग से बोर करवाकर पानी की व्यवस्था की जाए, ताकि सरई के ग्रामीणों को पानी की किल्लत से राहत मिल सके।

ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि सरई में स्थित हैंडपंप से नल-जल योजना के अंतर्गत चार गांव—सरई, किकरझर, बंजरटोला और टिकरिया को पेयजल आपूर्ति की जा रही है। इस कारण सरई में जल स्तर लगातार नीचे खिसक रहा है और गांव के निजी बोर भी पूरी तरह से सूख चुके हैं। अब सरई के लोगों को पीने के पानी के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

ग्राम पंचायत ने भी दिया समर्थन

इस मसले को लेकर सरई ग्राम पंचायत ने भी बैठक कर प्रस्ताव पारित किया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि टिकरिया ग्राम, ग्राम पंचायत पड़रिया-2 का पोषक ग्राम है, अतः वहां की जल आपूर्ति की जिम्मेदारी भी ग्राम पंचायत पड़रिया की होनी चाहिए। सरई से पानी की आपूर्ति तत्काल बंद कर, टिकरिया में नया बोर करवाकर उन्हें पेयजल मुहैया कराया जाए।

टिकरिया में भी जल संकट गहरा, पहले कर चुके हैं प्रदर्शन

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व टिकरिया गांव के ग्रामीणों ने डिण्डौरी-समनापुर मार्ग पर चक्का जाम कर पानी की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि सरई से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा और कई बार सप्लाई पूरी तरह से बंद कर दी जाती है। गांव के हैंडपंप और कुएं भी सूख चुके हैं, जिससे जीवन यापन मुश्किल हो गया है।

प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे राजस्व और पीएचई विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही समाधान किया जाएगा। बावजूद इसके, अब तक सरई से ही पानी की आपूर्ति जारी है, जिससे अब सरई के निवासी नाराज होकर विरोध दर्ज करवा रहे हैं।

समाधान की दिशा में जरूरी हस्तक्षेप

सरई और टिकरिया दोनों ही गांवों में जल संकट गंभीर होता जा रहा है। एक ओर टिकरिया में वर्षों से पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है, वहीं दूसरी ओर सरई गांव भी संसाधनों के अत्यधिक दोहन के चलते जल संकट से जूझ रहा है। प्रशासन को चाहिए कि दोनों गांवों के हितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित करे, ताकि जल विवाद का स्थायी हल निकाला जा सके।

शहपुरा नगर में प्रशासन सख्त अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

शहपुरा

डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर में अतिक्रमण के बढ़ते मामलों पर नकेल कसते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गुरूवार को शहपुरा नगर के उमरिया मार्ग,जबलपुर अमरकंटक मार्ग में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासनिक अमले ने अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलवाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल, नगर परिषद अमला और संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया सुबह से प्रारंभ होकर दोपहर तक चली।

प्रशासन की इस कार्रवाई से प्रभावित लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पूर्व में इन्हें अनाउंसमेंट के द्वारा अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी जा चुकी थी। इसके बावजूद अवैध निर्माण जारी रहने पर प्रशासन को सख्त कदम उठाने पड़े।

नगरवासियों ने इस कार्रवाई का मिलाजुला असर बताया। कुछ लोगों ने इसे नगर की व्यवस्था सुधारने की दिशा में जरूरी कदम बताया, वहीं कुछ प्रभावितों ने प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। प्रशासन का कहना है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना प्राथमिकता है, जिससे यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में सुधार हो सके।

बारिश से पहले सड़कों और नालियों की सफाई पर ध्यान दे नगर परिषद: पार्षद ज्योतिरादित्य भलावी

कांग्रेस पार्षद ने सीएमओ को पत्र लिखकर गड्ढों को भरवाने, जल निकासी व दवा छिड़काव की मांग की

डिण्डौरी।

नगर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और बारिश के मौसम में उत्पन्न होने वाली समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्षद ज्योतिरादित्य भलावी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) को पत्र लिखकर तत्काल सुधार की मांग की है।

पत्र में पार्षद भलावी ने कहा है कि नगर की कई सड़कों पर गड्ढे बन चुके हैं, जो बारिश में दुर्घटनाओं और जलभराव का कारण बन सकते हैं। उन्होंने मांग की है कि इन गड्ढों में मुरूम या डस्ट भरवाकर अस्थायी रूप से मार्ग को सुगम बनाया जाए।

इसके साथ ही उन्होंने नगर के नालों और नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उन्होंने उल्लेख किया है कि कई स्थानों पर नालियों का पानी बहकर सड़कों पर फैल जाता है, जिससे न केवल आवागमन में परेशानी होती है बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है।

स्वच्छता व कीट नियंत्रण पर भी दिया जोर

पार्षद ने यह भी कहा कि जहां-जहां जलभराव की स्थिति बनती है, वहां कीट नाशक दवाओं का नियमित छिड़काव किया जाए, ताकि मच्छर जनित बीमारियों से लोगों को बचाया जा सके। उन्होंने सामाजिक और सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने की भी मांग की है। पार्षद भलावी ने उम्मीद जताई कि नगर परिषद प्रशासन जल्द इन मांगों पर संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा, ताकि आगामी बारिश के मौसम में आमजन को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मत्स्य विभाग द्वारा बंद ऋतु में कार्रवाई, 160 किग्रा मछली जप्त*

डिंडौरी। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत 18 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है, जिसके अंतर्गत मत्स्योखेट, मत्स्य विक्रय तथा मत्स्य परिवहन आदि गतिविधियाँ प्रतिबंधित हैं। उक्त आदेश के परिपालन में 19 जून 2025, गुरुवार को मत्स्योद्योग विभाग डिंडौरी द्वारा सघन कार्रवाई की गई। प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री आर.के. चंदेल के नेतृत्व में गठित दल जिसमें श्री विशाल शरणागत, मत्स्य निरीक्षक, बी.के. सिरसाम, मत्स्य निरीक्षक तथा चौकीदार दशरथ प्रसाद वरकडे सम्मिलित थे। जिसमें भानपुर एवं समनापुर मछली बाजारों में निरीक्षण कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान कुल 80 किग्रा मेजर कार्प प्रजाति की मछली जप्त की गई, जिसकी नीलामी कर 4100/- की राशि शासन के खाते में जमा कराई गई। इसके अतिरिक्त भानपुर मछली बाजार से बंद ऋतु के दौरान प्रतिबंधित थाईलैंड मागुर प्रजाति की लगभग 80 किग्रा मछली जब्त कर नियमानुसार विनष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

मेहंदवानी के उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत समर कैंप अनुभव कार्यशाला संपन्न

डिंडौरी। विकासखंड मेहंदवानी के उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में "सक्षम कार्यक्रम" के अंतर्गत समर कैंप अनुभव कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में समर कैंप के दौरान बच्चों द्वारा अर्जित कौशल और रचनात्मक गतिविधियों की प्रस्तुति की गई, जिससे उनके आत्मविश्वास और नवाचार को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एच. एस. मेश्राम ने बच्चों से संवाद करते हुए उनके अनुभव सुने और समर कैंप में सीखी गई गतिविधियों की सराहना की। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी वस्तुओं में बदला। प्रस्तुत कलाकृतियों में विशेष रूप से उल्लेखनीय थीं। मिट्टी से निर्मित कलाकृतियाँ कागज से बनाए गए कोलाज, पुरानी प्लास्टिक बोतलों और कागज से तैयार किए गए गुलदस्ते व सजावटी सामग्री, मुख्य अतिथि का स्वागत छात्राओं द्वारा हस्तनिर्मित गुलदस्तों के माध्यम से किया गया, जो समर कैंप की उपलब्धियों का जीवंत प्रतीक रहे। ब्लॉक प्रबंधक ने बताया कि यह समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ है, जिसमें शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मकता और आत्म-प्रकाशन को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक युवा साथी रवि दास लारिया ने भी सहभागिता की, जिन्होंने अपने गाँव में कैंप गतिविधियों के सफल संचालन का अनुभव साझा किया।

रंगे हाथ पकडने के बाद भी अवैध रेत से भरी गाड़ी छुडा ले गये माफिया

जिला प्रशासन पर भारी अवैध रेत माफिया

खनिज विभाग ने दर्ज कराई एफआईआर, परंतु अभी पुलिस के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

खनिज विभाग के लाख प्रयासों के बाद भी जिले में अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है, पत्थर मुरूम अन्य खनिज के अलावा बड़ी मात्रा में रेत का अवैध खनन पूरे चरम पर है, उसे ना तो खनिज विभाग की रोक पा रहा है और न ही करोड़ों का ठेका लेने वाली खनिज कंपनी ही लगाम लगा पा रही है। जिले के चचाई थाना अंतर्गत सोन नदी के तट से प्रतिदिन लाखों रुपए का खनिज अवैध रूप से उत्खन्नित किया जा रहा है और उसे खनिज माफिया आसपास की मंडियों में ऊंचे दामों में बेच रही है, ना तो खनिज अमला अवैध खनन करते हुए पकड़ पा रहा है और न ही मंडियों में पहुंच रही गाड़ियों को ही रोका जा रहा है। बीते दिनों सूचना मिलने पर देर रात खनिज विभाग की टीम ने चचाई थाना अंतर्गत ग्राम केल्हारी से होकर गुजरने वाली सोन नदी से निकाले जाने वाली अवैध रेत के खिलाफ जांच कार्यवाही की, इस दौरान अवैध रेत से लगे कई ट्रैक्टर और मेटाडोर तो फरार हो गए, लेकिन खनिज विभाग की महिला इंस्पेक्टर श्रीमती ईशा और उनकी टीम ने अवैध खनन से लदे एक ट्रैक्टर को जप्त कर लिया।

रंगे हाथ पकडने के बाद भी गाड़ी छुडा ले गये माफिया

आधी रात हुई इस कार्यवाही के दौरान खनिज विभाग ने भले ही रंगे हाथों खनिज माफिया की एक ही गाड़ी को पकड़ा था लेकिन उसमें भी वह गच्चा खा गई, गाड़ी को छुड़ाने के लिए खनिज माफिया आधी रात को ही मौके पर लामबंद हो गया और फिर खनिज अधिकारियों को डरा धमका कर वहां से भगा दिया गया। यही नहीं जब्त की गई गाड़ी भी विभाग के अधिकारियों से छुड़ा ली गई, डरे सहमे खनिज विभाग के अधिकारियों ने चचाई थाने की शरण ली और इस संदर्भ में FIR दर्ज कराई। इस मामले में चचाई पुलिस ने खनिज इंस्पेक्टर श्रीमती ईशा की शिकायत पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध तो कायम कर लिया लेकिन पुलिस अभी भी इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने में असफल रही, जबकि खनिज विभाग के द्वारा स्पष्ट रूप से नामो का उल्लेख किया गया था।

तीन दिनों से राजेंद्रग्राम इलाके में विचरण कर रहे चार हाथी, कई ग्रामीणों के तोड़े मकान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चार हाथियों का समूह विगत तीन दिनों से राजेंद्रग्राम इलाके में विचरण कर रहा है जो दिन के समय जंगलों में ठहरने बाद रात होते ही आहार की तलाश में ग्रामीण अंचलो में पहुंचकर ग्रामीणों के घर में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचा रहा है। गुरुवार के दिन चारों हाथी वन परिक्षेत्र, थाना राजेंद्रग्राम के छीटपानी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं। चार हाथियों का समूह 14 जून की रात छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर क्षेत्र में विचरण करते हुए विगत तीन दिन पूर्व वन परिक्षेत्र, थाना राजेंद्रग्राम के क्षेत्र में पहुंचकर विचरण कर रहा है। यह हाथी तीन दिन पूर्व बैहार के इलाके से पहाड़ चढ़ कर राजेंद्रग्राम के गिरारीखुर्द, शिवरीचंदास गांव में रात में विचरण करते हुए बुधवार की सुबह बघर्रा के जंगल में दिन में ठहरते हुए रात होने पर बघर्रा से लोहारिनटोला से जोहिला नदी पार कर बसनिहा में अनूपपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर विचरण करते हुए देर रात बरटोला, जींलग, छपानी होते हुए गुरुवार की सुबह छीदपानी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं। हाथियों द्वारा मंगलवार की रात गिरारीखुर्द गांव में नाहर सिंह, जय सिंह, गर्जन सिंह, शिवरीचंदास में हीरालाल सिंह के घरो में तोड़फोड़ करते बुधवार को दिन में बघर्रा के जंगल में ठहरने बाद रात मे जंगल से निकल कर बघर्रा निवासी गुलजार सिंह, बसनिहा निवासी संजय अवस्थी, रम्मू यादव, बरटोला निवासी रम्मू सिंह, जींलग निवासी कृष्णा सिंह, भगवान सिंह, छपानी निवासी श्यामलाल सिंह के घरों में तोड़फोड़ करते हुए गुरुवार की सुबह छीदपानी के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं।

डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग, सौंपा ज्ञापन

खुलेआम हो रही खाद की कालाबाजारी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

जिले की शत प्रतिशत आबादी की आय का साधन कृषि है। जिला कृषि प्रधान के नाम से जाना जाता है। वही किसानों को खरीफ की फसल बुआई में खाद संकट बनता नजर आ रहा है।

वही जिले के कई स्थानों पर खाद मनमाफिक दाम पर बेचा जा रहा है। जिसे लेकर ब्लॉक कांग्रेस करकबेल गोटेगांव तथा किसानों द्वारा कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर मनोज चौरसिया को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। जिसमें बताया गया कि जिले के किसानों को बुआई में खाद का संकट उत्पन्न हो रहा है।

बुआई का सीजन जारी नहीं मिल रही डीएपी

ज्ञापन में बताया गया है खरीफ की फसल बुआई का कार्य जोरों पर है वही किसानों को डीएपी तथा अन्य खाद उपलब्ध ना होने के कारण बुआई कार्य बाधित हो रहा है। बुआई ना होने पर किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि किसानों के हित प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई करते हुए डीएपी उपलब्ध कराया जाए एवं व्यापारियों द्वारा मनमाफिक दाम पर किए जा रहे खाद के विक्रय मे रोक लगाया जाए जिससे किसानों के हित में कार्य हो सके। ज्ञापन में बताया गया कि शासकीय समितियों में डीएपी खाद की कमी है वर्तमान में मक्का, सोयाबीन, धान और अरहर की बुआई चल रही है। विपणन संघ के भंडारण केंद्रों और शासकीय समितियों में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। डीएपी का शासकीय मूल्य 1350 रुपए प्रति बैग है। खुले बाजार में यह 1500 से 1700 रुपए प्रति बैग तक बिक रही है।

खाद के लिए लग रही लाइन

ज्ञापन मे बताया गया है कि सरकारी दुकानों पर डीएपी खाद उपलब्ध नही है तथा यूरिया के लिए किसानों को लंबी लाइन मे लगकर यूरिया मिल रहा है। यूरिया लेने के लिए किसानों को रात से ही सरकारी केंद्रों के बाहर कतार में लगना पड़ रहा है। आधार कार्ड और भू-अभिलेख लेकर सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ता है। ज्ञापन कमेटी ने बताया कि वर्तमान में प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया मिल रही है। किसानों की मांग है कि यह मात्रा बढ़ाकर दो बोरी की जाए। कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से खाद वितरण व्यवस्था में सुधार और कालाबाजारी पर कार्रवाई की मांग की है। समय पर खाद न मिलने से फसल को नुकसान का खतरा है।

डीएपी की बोरी लेकर पहुंचे किसान

खाद ना मिलने से परेशान किसान गुरुवार को कलेक्टर डीएपी की बोरी लेकर पहुंचे और प्रशासन के समझ प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया था प्रशासन से मांग की गई। ज्ञात हो कि वर्तमान में खरीफ की फसल बुआई का सीजन चल रहा है। खाद ना मिलने से किसानों की बुआई का कार्य बाधित हो रहा है। जिससे किसानों को आर्थिक संकट उत्पन्न होने की आशंका बढ़ती जा रही है। वही व्यापारियों द्वारा खाद मनमाफिक दामों पर विक्रय किया जा रहा है जिससे किसान लेने असमर्थ है। किसानों द्वारा प्रशासन से मांग की गई है कि शासकीय दुकानों पर पर्याप्त खाद की उपलब्धता कराई जाए जिससे किसानों की बुआई कार्य आसानी से हो सके। उक्त मौके पर बढ़ी संख्या मे किसान व कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

पालतू कुत्ते ने नाबालिग पर किया हमला, एसपी से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। थाना क्षेत्र स्टेशनगंज निवासी व्यक्ति के पालतू कुत्ते ने किशोरी पर हमला कर दिया गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बचाया गया। जिसके इलाज कराने से कुत्ते के मालिक द्वारा मना कर दिया गया। जिस पर महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया है कि पड़ोसी सुरेंद्र यादव के कुत्ते ने पहले उन पर और फिर उनकी बेटी नंदिनी पर हमला कर दिया। मोहल्लेवासियों ने बचाव किया। दोनों को क्लीनिक ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। जिसकी शिकायत थाना स्टेशनगंज मे की गई। कुत्ते के मालिक द्वारा नाबालिग का इलाज कराने से मना कर दिया गया जिस पर पीड़िता ज्योति नौरिया द्वारा पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कारवाई की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया कि उक्त कुत्ते द्वारा पूर्व मे भी एक व्यक्ति को काटा गया था। 17 जून को स्टेशन गंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई। दो दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस लिंगा ओवरब्रिज के पास हुइ सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात बरमान निवासी राकेश साहू उम्र 40 वर्ष मोटर साइकिल ओवर ब्रिज पार कर रहा था तभी पीछे से आ रही चारपहिया वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया जिसे उपचार हेतु स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर सुश्री कीर्ति कश्यप के न्यायालय द्वारा हत्या के आरोपी महेन्द्र चैधरी पिता तेजीलाल चौधरी, आयु 25 वर्ष निवासी नलकूप कॉलोनी सुभाष वार्ड नरसिंहपुर को धारा 302 भादवि में दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड, धारा 323 (दो शीर्ष) भादवि के अंतर्गत प्रत्येक शीर्ष के लिए 01-01 वर्ष का कारावास एवं 500-500 रुपये का अर्थदंड, धारा 450 भादवि के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000 रुपये का अर्थदंड तथा धारा 506 भाग-2 के अंतर्गत 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है।

3 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली पुलिस द्वारा 3 किलो 837 ग्राम गांजे के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया पुलिस टीम को दौरान भ्रमण के सौरभ राजपूत की गुड भट्टी के सामने नेशनल हाईवे करेली बरमान रोड पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में काले रंग का बैग लिये खडा दिखा जिस पर संदेह होने पर स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा एवं नाम पता पूछने पर उक्त व्यक्ति द्वारा अपना नाम महेंद्र बंशकार पिता सीताराम बंशकार उम्र 38 साल, निवासी ग्राम कुसली, पोस्ट मनकेडी, थाना बेलखेडा, जिला जबलपुर का रहने वाला बताया एवं आरोपी के पास काले रंग के बैग को चेक करने पर 03 किलो 837 ग्राम गांजा कीमत 80 हजार रुपये का रखा पाया गया जिसे जप्त कर आरोपी महेंद्र वंशकार के विरुद्ध अपराध क्र 550/25 धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट का पंजीबध्द कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

ऑल इंडिया लाइनस क्लब की द्वितीय कैबिनेट मीटिंग संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ऑल इंडिया लाइनस क्लब, जिला सी एम- 1 संपदा सत्र 2025 के अंतर्गत द्वितीय कैबिनेट मीटिंग का आयोजन अमरकंटक में किया गया। यह महत्वपूर्ण बैठक डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता कपूर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 60 क्लबों के सदस्यों ने सहभागिता दर्ज कराई। बैठक में नरसिंहपुर जिले से वीरांगना क्लब की अध्यक्ष सविता महोबिया, उपाध्यक्ष ममता नामदेव, और पूर्व एरिया ऑफिसर एवं संरक्षक अर्चना राय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जबलपुर एरिया ऑफिसर सुनीता जाटव ने जनवरी 2025 से मई 2025 तक नरसिंहपुर सहित अपने चार क्लबों द्वारा की गई उल्लेखनीय गतिविधियों की जानकारी डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट को अवगत कराई। कार्यक्रम में वीरांगना क्लब की अध्यक्ष सविता महोबिया ने संबोधन में कहा कि हमारे क्लब ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय योगदान दिया है। पूर्व एरिया ऑफिसर अर्चना राय ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में क्लब ने स्वास्थ्य शिविर, महिला उद्यमिता कार्यशालाओं और जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने समाज सेवा के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए।

बच्चों को और बेहतर तरीके कराएं अध्यापन: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों का 3 दिवसीय गणित, हिंदी एवं अंग्रेजी रिफ्रेशर प्रशिक्षण डाइट सभागार नरसिंहपुर में पहुंचकर अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय स्तर पर बुनियादी शिक्षा के लिए बच्चों के साथ मेहनत करें। प्रशिक्षण की सार्थकता तभी है, जब आप सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर बच्चों के शिक्षण में इसको अपनायेंगे। सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने कहा कि जो शिक्षक इस प्रशिक्षण से वंचित रह गये हैं। उन्हें अगले बेच में प्रशिक्षित करें। इस दौरान कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने यहाँ बैठकर शिक्षकों के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से विषयों से संबंधित प्रशिक्षण के मॉड्यूल को देखा। जिला परियोजना समन्वयक ने शिक्षकों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि वे अभ्यास पुस्तिका की नियमित जांच एवं त्रुटियों के सुधार करें। साथ ही शिक्षण के दौरान गतिविधि आधारित शिक्षण के लिए कहा। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जिले की समस्त विकास खंडों में एफएलएल कक्षा पहली व दूसरे में अध्ययन कराने वाले शिक्षकों को दो दिवसीय गणित का प्रशिक्षण देने के निर्देश जारी किये गये थे। जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर द्वारा एक दिवसीय हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा दिया जा रहा है। इस अवसर पर प्राचार्य डाइट एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी एमएस खान, निपुण प्रोफेशनल पीयूष चैपावार, एपीसी अकादमिक समीर त्यागी और प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

मनाया गया सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस जिला चिकित्सालय के प्रशिक्षण केन्द्र में मनाया गया। कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उपचार एवं बचाव की जानकारी दी गई। इस दौरान सिकल सेल से ग्रसित मरीजों एवं बच्चों का परीक्षण कर उनकी जांच की गई और उन्हें फल वितरित किये। यहां मौजूद सभी ने सिकल सेल रोग के प्रति समुदाय में जागरूकता लाने और समय पर जांच करवाकर इसके दुष्परिणामों से बचाव करने का भी संकल्प लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ठाकुर एवं डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन ने सिकल सेल एनीमिया के लक्षण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि खून की कमी, मौसम बदलने पर बीमारी, थकावट एवं सांस फूलना, बार- बार बुखार आना, संर्दी- खांसी होना, हाथ-पैरों तथा जोड़ों में सूजन आना सिकल सेल एनीमिया के लक्षण हैं। उन्होंने रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार पर विस्तार से जानकारी दी। एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसमें लाल रक्त कोशिकायें अर्द्धचंद्राकार हो जाती है और शरीर में ऑक्सीजन का संचार बाधित होता है। यदि किसी व्यक्ति को ऐसे लक्षण दिखते हैं, तो वे तुरंत ही सिकल सेल एनीमिया की जांच जरूर करवायें। जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर मुकेश रघुवंशी एवं ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाईजर दीपेश नेमा ने बताया गया कि सिकल सेल दिवस पर जागरूकता बढ़ाने, जांच व उपचार कराने एवं बचाव के उपायों की जानकारी देने तथा प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जीसी चौरसिया, पैथोलॉजिस्ट डॉ. अमिता चतुर्वेदी, डॉ. प्रियंका नेमा, डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सिंह, स्वास्थ्य विभाग का अमला और आशा कार्यकर्ता मौजूद थे।

खेतों में मक्का की बोनी में जुटे किसान

तेंदूखेड़ा

खेतों से गर्मी मौसम की मूंग कटते ही अब युद्ध स्तर पर मक्का फसल की बुवाई के लिए किसान सक्रिय हो गए हैं। पिछले साल धान फसल में उचित दाम ना मिल पाने के कारण किसान इस बार मक्का फसल में अधिक ध्यान दे रहा है। किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि लगभग मानसून की दस्तक के पूर्व ही बोबनी से फुर्सत हो रहे हैं।इस फसल में ना ज्यादा दवाईयां और ना ही ज्यादा समस्या प्रति एकड़ उपज भी अच्छी खासी निकल आती है। विभिन्न प्रकार की बीजों की किस्में भी आ गई है।जो जल्दी कम समय में पककर तैयार हो जाती है।खर्चा काटकर एवरेज लगभग वही बैठ जाता है। चूंकि धान में केमिकलों का छिड़काव किये बिना काम चल नहीं पाता है और अधिक केमिकलों के कारण धान और मूंग फसल बेचने में ना नुकुर के चलते इस फसल पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रेट भी सही नहीं मिल पा रहें हैं।चूंकि मिट्टी के ऊपर इस फसल का उत्पादन हुआ करता है। लेकिन इस फसल में ज्यादा खर्चा नहीं आता है।केवल जंगली सुअरों और पक्षियों से इस फसल को बचाना पड़ता है । विशेष तौर पर जंगली क्षेत्रों में ज्यादा सुरक्षा की जरूरत होती है। और इन्हीं क्षेत्रों में ही सर्वाधिक बुबाई होती है।10 जुलाई तक का समय है। बरसात जारी रहने के कारण फिर बोनी नहीं हो पाती है।

आधी हो गई धान की रोपाई

विगत वर्ष की अपेक्षा इस बार धान की रोपाई 40 प्रतिशत से भी ज्यादा रोपाई नहीं हो पा रही है। विशेष रूप से बासमती धान के अलावा अन्य प्रजातियों की धान के रोपा लगाये जा रहे हैं।फसल लेट हो जाने के कारण रवि मौसम की फसल की बुवाई भी लेट हो जाती है।धान के साथ साथ सोयाबीन और अरहर फसल भी लगाई जा रही है। लेकिन संपूर्ण क्षेत्र में 60 प्रतिशत में मक्का फसल है तो 40 प्रतिशत में धान अरहर सोयाबीन देखा जा रहा है।

रासेयो स्वंयसेवकों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाइयों द्वारा स्वंयसेवको को विदाई दी गई। उक्त आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. वी. सिंह' के निर्देश व कार्यक्रम अधिकारी 'डॉ. जी. एस. मर्सकोले' के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम विशेष अतिथि प्रो प्रीति कौरव, प्रो रजनी साहू, प्रो शिल्पी तिवारी की मौजूदगी में संपन्न हुई। कार्यक्रम में छात्र इकाई दलनायक 'वेदांत दुबे' एवं छात्रा इकाई दलनायिका 'शिखा वर्मा' के नेतृत्व में वरिष्ठ स्वयंसेवकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में पूर्व दलनायक देवांश पचौरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवकों के अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

दो छात्राओं का एथलेटिक्स में चयन

नरसिंहपुर। जिले से एथलेटिक्स खेल के अंतर्गत स्टेडियम स्टेडियम ग्राउंड में से प्रांजल शर्मा पिता अरुण शर्मा एवं आराध्या जाट पिता राजा जाट का सिलेक्शन भारत अथॉरिटीज ऑफ इंडिया लखनऊ के लिए हुआ है। स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से 8 बच्चों का सिलेक्शन हुआ था जिसमें दो मध्य प्रदेश की और दोनों ही मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले से हैं यह हमारे शहर गौरव का विषय है। नगर की बेटियों को एथलेटिक्स एसोसिएशन से कोच सुनरेश दुबे एवं शुभचिंतकों द्वारा भविष्य में ओलंपिक में मेडल लेकर आए उज्जवल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं दीं हैं।

एक्वा योगा के साथ काया ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह एवं नमिता जनोरिया ने हमेशा की तरह एक अनोखे और नवाचारी तरीके से इस पर्व को मनाया। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से राहत दिलाने काया ने एक्वा योगा के माध्यम से स्विमिंग पूल के जल में उतरकर योग के अद्भुत लाभों को प्रदर्शित किया और लोगों को इस प्राचीन कला के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया। एक्वा योगा सत्र में काया के सदस्यों नीता भारद्वाज, शिवांगी साहू, अंजू साहू, पूनम धुर्वे, उर्वशी पाठक, रानू श्रीवास्तव, डॉ राजश्री पटेल आदि ने जल के प्राकृतिक प्रतिरोध और संतुलन का उपयोग करके विभिन्न योग आसनों को प्रदर्शित किया। इंटरनेशनल योग मास्टर सुश्री इंदु सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, हम एक्वा योगा के माध्यम से लोगों को योग के लाभों से अवगत कराना चाहते हैं। जल में योग करने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी बना रहता है। एक्वा योगा एक ऐसा तरीका है जो लोगों को योग के साथ जुड़ने और इसके लाभों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथकर्ता उमेश कुमार मेहरा आत्मज बालकिशन मेहरा निवासी कोदरासकलां जिला व तहसील नरसिंहपुर उक्त पते का स्थाई निवासी है। यह कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश नाम कनिष्क दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र के अन्य दस्तावेजों मे नाम काव्यांश मेहरा दर्ज है। कनिष्क एवं काव्यांश उक्त दोनो ही नाम मेरे पुत्र एक ही व्यक्ति के है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम काव्यांश मेहरा है। यह कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम परिवर्तन कर सही नाम काव्यांश मेहरा दर्ज किया जाए जिसे हेतु शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता